



उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्



संस्कृत-पीयूषम्

(कक्षा-३)

नाम	:	_____
माता का नाम	:	_____
पिता का नाम	:	_____
विद्यालय का नाम	:	_____
पता	:	_____

निःशुल्क वितरण हेतु

संस्कृत-पीयूषम्-३

पाठ्यक्रम

घर- परिवार, परिवेश, पशु-पक्षियों, घरेलू उपयोग की वस्तुओं के संस्कृत नामों से परिचित कराना।

दैनिक जीवन में होने वाली क्रियाओं- पढ़, लिख, गम्, हम् आदि का प्रयोग सिखाना।

गीतों / सुभाषितों / नीतिपरक वाक्यों का सरलर गान कराना।



अद्वैत	● वन्दना (सरस्वती वन्दना)
	● प्रधानः पाठः- मन्त्री (कालगीत)
मई	● द्वितीयः पाठः- चित्रपाठः १
	● तृतीयः पाठः- चित्रपाठः २
जून	
जुलाई	● पुनरावृत्ति
	● चतुर्थः पाठः- चित्रपाठः ३
	● पञ्चमः पाठः- चित्रपाठः ४
अगस्त	● षष्ठः पाठः- वार्तालापः
	● सप्तमः पाठः- चित्रपाठः ५



शिशुम्वर • अश्विनः पाठः— गम परिवारः
• नवमः पाठः— मेखकम् (बालगीत)
अक्टूबर • दशमः पाठः— दिनचर्या
• पुनरावृत्ति एवं अभ्यास

नवम्बर • एकादशः पाठः— वसवानम्
• द्वादशः पाठः— विद्या (गीत)

दिसम्बर • त्रयोदशः पाठः— विद्यालय— परिवेश

जनवरी • चतुर्दशः पाठः— राष्ट्रिय— प्रतीकानि

• पञ्चदशः पाठः— सुमनसिनि

फरवरी • षोडशः पाठः— लघुः अपि सहायकः

• पुनरावृत्ति एवं अभ्यास

मार्च • पुनरावृत्ति



बच्चे संस्कृत के सरल शब्दों से परिचित हो सकेंगे। संस्कृत भाषा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। घर-परिवार, परिवेश, पशु-पक्षि आदि के नाम संस्कृत में जान सकेंगे। हिन्दी के शब्दों को संस्कृत भाषा में समझ व लिख सकेंगे।

शिक्षण सम्बन्धी परिणाम (Learning Outcomes)

- संस्कृत गीतों, श्लोकों एवं सुभाषितों को सुनकर हाव-भाव के साथ सस्वर वाचन कर लेंगे हैं।
- चित्रों के माध्यम से पशु-पक्षियों आदि के नाम को संस्कृत में बता लेंगे हैं।
- शब्द को अन्त में विसर्ग एवं अनुस्वार लगाकर संस्कृत शब्द बना लेंगे हैं।
- एषः, एषा, एतत् एवं कः, का, किम् शब्दों के अर्थ समझते हैं।
- अभिवादन हेतु सरल संस्कृत शब्दों का प्रयोग कर लेंगे हैं।
- एकवचन को कर्ता के साथ एकवचन की क्रिया तथा ऐसे ही अन्य वचनों के कर्ता व क्रिया को जोड़कर वाक्य बना लेंगे हैं।
- बहुवचन कर्ता के साथ बहुवचन की क्रिया का प्रयोग करके वाक्य बना लेंगे हैं।
- भ्राता-पिता, दादा-दादी, भाई के नाम संस्कृत में बता लेंगे हैं।
- संस्कृत के सरल वाक्यों को पढ़ एवं लिख लेंगे हैं।
- अपनी दिनचर्या को बता पाएंगे हैं।
- चित्रों को देख व पढ़कर कहानी को अपने शब्दों में सुना लेंगे हैं।
- दैनिक जीवन में नैतिक मूल्यों को अपना रहे हैं।



क्र.सं.	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
	सरस्वती—दन्दना	०८
प्रथमः पाठः	गन्धी (बालगीत)	०६
द्वितीयः पाठः	चित्रपाठः १	११
तृतीयः पाठः	चित्रपाठः २	१४
चतुर्थः पाठः	चित्रपाठः ३	१६
पञ्चमः पाठः	चित्रपाठः ४	१८
षष्ठः पाठः	वार्तालापः	२०
सप्तमः पाठः	चित्रपाठः ५	२१
अष्टमः पाठः	मम परिवारः	२३
नवमः पाठः	मेलकम् (बालगीत)	२५
दशमः पाठः	दिनचर्या	२७
एकादशः पाठः	बसयात्रम्	२९
द्वादशः पाठः	विराट (गीत)	३१
त्रयोदशः पाठः	विद्यालय—परिवेशः	३३
चतुर्दशः पाठः	राष्ट्रिय—प्रतीकानि	३५
पञ्चदशः पाठः	सुभाषितानि	३७
षोडशः पाठः	लघु अपि सहायकः (कहानी)	३८



सरस्वती - वन्दना



देवि सरस्वति! तव पदकमलम् ।
अहं नमामि वयं नमामः ॥
मातः देहि सदगुणज्ञानम् ।
अहं नमामि वयं नमामः ॥
देवि शारदे! तव सन्निधये ।
अहं पठामि वयं पठामः ॥

शिक्षण सङ्केत

• पाठ का सत्यता जांचने और समझें से कराएँ ।



गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती
 अग्रे गच्छति आगे जाती
 पृष्ठे गच्छति पीछे जाती
 उच्चैः गच्छति ऊँचे जाती
 नीचैः गच्छति नीचे जाती
 गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती ।।
 मन्द गच्छति धीरे जाती
 शीघ्रं गच्छति जल्दी जाती
 वक्रं गच्छति टेढ़ी जाती
 सरलं गच्छति सीधी जाती
 गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती
 गन्त्री गच्छति गाड़ी जाती ।

—श्री कलुषेय शिखरी शारदा

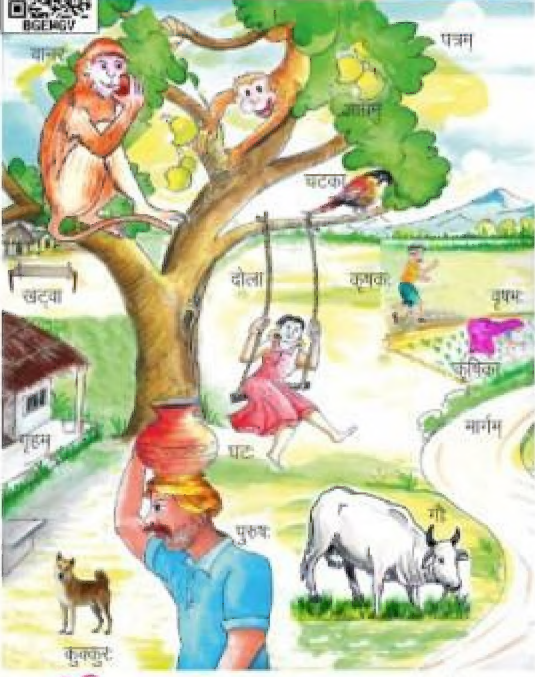
शिक्षण सङ्कलन

- कविता को बच्चों के साथ गाएँ और सुनें।
- बच्चों को चारों ओर वाद कविताओं/गीतों को सुनाने के लिए प्रेरित करें।



चित्रपट

चित्रपाठः।





निम्न सूची- चार से छतरीत चित्रों के बारे में प्रश्नों से प्रश्न करें एवं उनके संस्कृत नामों को पढ़ने एवं कोलने में सहयोग करें।

संस्कृत-टीपुलम्-3

अभ्यास

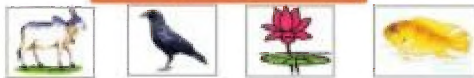


१. चित्रों को देखकर नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए-



१. चित्र के नीचे सही शब्द छोटकर लिखिए-

काकः मत्स्यः पुष्पम् कमलम्



२. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए-



संस्कृत-टीपुलम्-3

३. पशु-पक्षियों के नामों को श्रौटकर आत्म-अलग लिखिए-

अजड़, शुक, कुक्कुर, गौ, बक, काक, बटका, वानर, वृषभ।

पशु	पक्षी

४. उपरालप के अनुसार शब्दों को पूरा कीजिए-

का म् र् , प म् , बट , ह म् ,

गुरु , वृ म् , आ म् , बाल ,

५. शब्दों के हिन्दी अर्थ लिखिए-

वानर , फल्गु , बालिका , बालिका , मण्डूक।

आत्मन् = आन का फल बटका = गौरव दीला = झूला पञ्चम् = पत्ता
 शुक = तीला काक = कौआ कृषक = किसान कृषिका = किसान स्त्री
 वक = बगुला कन्दुक = गेंद धर्तक = बतख मत्स्य = माछली
 कलिका = कली, मण्डूक = मेंढक कुक्कुर = कुत्ता गृहम् = घर
 वृक्ष = पेड़ वृषभ = बैल खट्वा = खरपाई = तिल्ली।

विशेष सूचना

- विद्यार्थियों को परीक्षा से अलग कक्षाओं पर पशु-पक्षियों के सम्बन्धित नामों की परीक्षा करनी।





द्वितीय पाठः

विश्रपाठः २



एषः कः ?
एषः मयूरः ।



एषः कः ?
एषः मूषकः ।



एषः कः ?
एषः अश्वः ।



एषः कः ?
एषः सिंहः ।



एषः कः ?
एषः घटः ।



एषः कः ?
एषः सैनिकः ।

अभ्यासः



५ चित्रों को देखकर प्राची को पहिचानिए—



अलुङ्कः



मकरः



विडालः



शशवः



सम्पूत-विद्युत-३



संस्कृत भाषा

विषयपाठः ३



एषा का ?
एषा घटिका ।



एषा का ?
एषा माला ।



एषा का ?
एषा नौका ।



एषा का ?
एषा आसनिका ।



एषा का ?
एषा पिशेलिका ।



एषा का ?
एषा मञ्जूषा

अभ्यास



१. चित्रों को देखकर नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए-



कपिला



मापिका



शिक्षिका



वीणा

२. कदा में उन छात्रों को नमस्ते की बेलिए जिनके नाम के अन्त में
आ (।) आता हो, जैसी- वसुधा, आशा, मीरा, राजेशा, _____



सम्पूर्ण-विषय-३

१. लट्टी शब्द जोड़कर चित्र के चीजे लिखिए-

लट्टिका लट्ठा लट्ठी लट्ठीका लट्ठीका लट्ठीका



एषा _____।



एषा _____।



एषा _____।



एषा _____।



एषा _____।



एषा _____।

२. चित्र और शब्द के लट्टी जोड़े बनाइए-



घटिका = छोटी नौका = नाव आसन्दिका = कुली विपरीलिका = छोटी मञ्जूषा = बक्सा कपिला = गाय मापिका = पट्टी(एकेल) रथालिका = थाली।

विशेष ध्यान

जब भी दो शब्द मिलते हैं तो नया शब्द बनता है।





विषयः

विषयः



एतत् किम् ?
एतत् छत्रम् ।



एतत् किम् ?
एतत् पात्रम् ।



एतत् किम् ?
एतत् संगणकम् ।



एतत् किम् ?
एतत् शौचकम् ।



एतत् किम् ?
एतत् चषनेत्रम् ।



एतत् किम् ?
एतत् जलयानम् ।

अभ्यासः



१. चित्रों को देखकर नीचे किये शब्दों को पहिँए-



मरीचम्



कदलीफलम्



द्वारम्



कारयानम्



२. कब्बों के अन्त में म लगाकर पढ़िए-

मुक्क कम्क जल दृषल पात्र

१. सही कब्ब छोटकर चिज के नीचे लिखिए-

कालकम् कलम् कलम् पुलकम् कलम् ललम्



एतत् _____।



एतत् _____।



एतत् _____।



एतत् _____।



एतत् _____।



एतत् _____।

२. चिज और कब्ब के सही जोड़े बनाइए-



उद्यानम्
आसनम्
पुष्पम्
फलम्



छत्रम् = छाता पात्रम् = बर्तन ब्रम्णकम् = कम्प्युटर लघनेत्रम् = चश्मा
मरीचम् = मिर्चा कदलीफलम् = फला शीतकम् = रेफ्रिजरेटर उद्यानम् = बगीचा।

नोट्स पढ़िए

- कब्बों को अन्त में म जोड़कर जोड़कर कब्ब बनवाएँ जैसे- कलम् मिक्क।
- कब्बों, कालुकों आदि को चिज दिखाकर जरा जगदी हास्यकृत नाम दीजें और कब्बे को जोड़वाएँ जैसे- फल ललम्। पुष्प जलम्। पुष्प पुष्पम्।



एक बात

वाक्यांशः



सुप्रभातम् ।

सुप्रभातम् ।



भवतः नाम किम् ?

मम नाम दीपकः ।



भवत्याः नाम किम् ?



मम नाम श्वेता ।

शौभनं नाम ।



किं त्वं क्रीडास्थलं गच्छसि ?

आम् । किं त्वमपि क्रीडास्थलं गच्छसि ?



आम् ।

भवतु, सह एव गच्छामः ।



विशेष नोट

संस्कृत के शब्दों-श्लोकों का उपयोग करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि वे सही-सही ढंग से लिखे गए हों और उनका अर्थ भी सही हो।



बालकः किं करोति?
बालकः पठति ।



बालकाः किं कुर्वन्ति?
बालकाः पठन्ति ।



बालिका किं करोति?
बालिका लिखति ।



बालिकाः किं कुर्वन्ति?
बालिकाः लिखन्ति ।



बालाः किं करोति ?
बालाः हसन्ति ।



बालाः किं कुर्वन्ति?
बालाः हसन्ति ।



५ वाक्यों को पढ़िए—

छात्रः पठति । वानरः खादति । गजः चलति । बालिका गच्छति ।

६ निम्न के अनुसार सही क्रिया को छोटकर नीचे लिखिए—

लिखति

चलति

पठति

खादति



बालकः



महिलाः



पुरुषः



गजः

७. कलंकक में दी गई क्रियाओं में 'ति' जोड़कर वाक्य पूरा कीजिए—

जैसे— बालकः पठति । (पठ्)

क. बावः । (हस)

ख. बालिका । (लिख)

ग. छात्रः । (खाद)

८. निम्न को देखकर उचित शब्दों का चयन करके हुए वाक्य बनाइए—



सुरी

नौका

जना

खग

क. तरति ।

ख. उदयति ।

ग. कुञ्जति ।

घ. भ्रमति ।

करोति = करता/करती है, पठन्ति = पढ़ते/पढ़ती हैं। बालः = बच्चा

हसति = हँसता/हँसती है। गजः=हाथी खगः = पक्षी जना=बहुत से लोग।

शिक्षण तर्ज़

- अ. अभिप्रेत को ध्यान में रिकार्डों का सही करारें तथा सही पाठ्य पत्रकें।





અહં સ્તામિયા ।
અહં શૃતીયા-કક્ષાયા પઠામિ ।

एषः मम माता अस्ति ।
सा शिक्षिका अस्ति ।



एषः मम पिता अस्ति ।
सः कृषकः अस्ति ।

एषः मम पितामहः अस्ति ।
सः सन्गाचारपत्रं पઠતિ ।



एषः मम पितामही अस्ति ।
सा आपणात् शाकम् आनयति ।

एषः मम भ્રાતા અસ્તિ ।
સઃ કુશલઃ ગાયકઃ અસ્તિ ।





१. शब्दों को पहिँए-

मम, पितामहः, पितामही, मातामहः, मातामही, भ्राता, भगिनी।

२. अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखकर वाक्य पूरा कीजिए-

- क. मम नाम अस्ति।
 ख. श्री मम पिता अस्ति।
 ग. श्रीमती मम माता अस्ति।
 घ. श्री मम भ्राता अस्ति।
 ङ. कुतः/श्रीमती मम भगिनी अस्ति।
 च. श्रीमती मम पितामही अस्ति।
 छ. श्री मम पितामहः अस्ति।

३. सही जोड़े बनाइए-

भगिनी	दादी
भ्राता	दादा
पितामही	बहन
पितामहः	भाई

अहम् = मैं मम = मेरा, मेरी, मेरे, पितामहः = दादा पितामही = दादी
 भ्राता = भाई एषः, एषः = वह = बहन = बहिन रो।

सिखाए जात

- अहम् से अपने परिवार के सदस्यों के बारे में बातचीत की।
- परिवार के सदस्यों के पिता या पितामह के नाम और बहन के नाम लिख लिख।
- अपने परिवार के सदस्यों के नाम से कहिए-
 मातामहः = मामा, मातुल = मामा, मातुली = मामी, अनुज = भैया, अग्रज = बड़ा भाई
 अग्रज = बड़ी बहन, अनुज = छोटी बहन, अनुक = चुन्ना, अनुकी = चुनन, पितामहः = दादा
 पितामही = दादी, भ्रातामही = भाई, भ्रातामहः = दादा, अग्रज = बड़ी बहन, अग्रज = बड़ा भाई।





बालाः खेलन्ति मेलकम्
 पश्यन्ति वायुलुनकम् ।
 खादन्ति तत्र मोदकम्
 पिबन्ति जलं शीतलम् ॥
 लिप्यन्ति ते हिण्डोलकम्
 गायन्ति तत्र गीतकम् ।
 खेलन्ति ते परस्परम्
 मिलन्ति मिश्रवण्डलम् ॥

शिक्षणं सर्वत्र : सर्वत्र एव एक से अधिक बार समारंभ करने पर अधिक कर्तव्य ।



4. चित्रों को देखकर शब्दों को पहिचानिए-



गुरली



सारिकलम्



शीतलम्



तुला

5. उदाहरण को देखकर वाक्यों बनाइए-

क. बाला: चलन्ति मेलकम् ।

ख. बाला: खादन्ति भोदकम् ।

गजाः _____ ।

मुशकाः _____ ।

ग. बालकाः हिण्डन्ति हिण्डोलकम् ।

घ. बानराः पिबन्ति जलम् ।

बालिकाः _____ ।

कम्पिताः _____ ।

6. इस कविता में दो ऐसी शब्द शीतलक लिखिए जिनके अन्त में म् जगता हो, जैसे- शीतलम् _____ ।

7. चित्र और शब्द को सही जोड़े बनाइए-



शब्दार्थ

=मैला

=बच्चे

=देखते हैं

=गुब्बारा

=बही

=लकड़ू

=टण्डा

=झूल।

8. अपने पौध-नाम में आने वाले पौधों में से कोई एक पौधा जो आपने देखा है, उसके बारे में लिखिए।





शोभा प्रातः उत्तिष्ठति ।

शोभा फेनिलेन डस्ल-प्रक्षालनं करोति ।



शोभा मुखं दन्तान् च क्षालनं करोति ।

अनिलः स्नानं करोति ।



शोभा भोजनं करोति ।

अनिलः भोजनं करोति ।

शोभा विद्यालयं गच्छति ।

अनिलः विद्यालयं गच्छति ।



शोभा अध्ययनं करोति ।

अनिलः अध्ययनं करोति ।

समयकाले शोभा निवैः सह खेलति ।





१. वाक्यों को पढ़िए-

अमनः दन्तशालनं करोति । डेविडः स्नानं करोति । जया पठति । सलमा विद्यालयं गच्छति ।

२. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए-

वृत्ता, छात्रः, अध्यापकः, गच्छति

क. वृत्ता हस्त-प्रक्षालनं करोति ।

ख. — हस्त-प्रक्षालनं करोति ।

ग. — हस्त-प्रक्षालनं करोति ।

घ. — हस्त-प्रक्षालनं करोति ।

३. उदाहरण के अनुसार वाक्य लिखिए-

शोभा क्रीडति क. शोभा क्रीडति ।
गच्छति ख. — ।
पठति ग. — ।
उत्तिष्ठति घ. — ।

४. सुमेलित कीजिए-

स्नानं स्नाति
मयूरः हस्त-प्रक्षालनं करोति
फलं करोति
फेनिलेन नृत्यति

उत्तिष्ठति = उठती है/उठता है हस्त-प्रक्षालनम् = हाथ धोना

फेनिलेन = ताम्रुन से क्षालनं करोति = धोती है/धोता है सह = साथ

गच्छति = जाती है/जाता है क्रीडति = खेलती है/खेलता है ।

विचारने का प्रश्न

उपरोक्त से अपनी विनम्रता और कारिणीक व्यवहार पर आलोचना करें ।





१. यात्रायां को पत्रिका-

मोहनः विद्यालयं गच्छति । सुधा आश्रमं आगच्छति । छात्राः बसस्थानम् आरोहन्ति । पुरुषाः बसस्थानात् अवतरन्ति ।

अभ्यास-३

१. कोष्ठक में दिए गए वाक्यांश के संधियों के अनुसार वाक्यों को पूर्ण कीजिए-

जैसे- जाना: बसस्थानम् गच्छन्ति । (बसस्थान)

क. जाना: गच्छन्ति । (वायुस्थान)

ख. जाना: गच्छन्ति । (रेलस्थान)

२. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

क. बसस्थानम् आगच्छति ।

ख. जाना: आरोहन्ति ।

ग. जाना: बसस्थानम् ।

३. चित्र और शब्द के सही जोड़े बनाइए-



आगच्छति = आती है, अवतरन्ति = उतरते हैं, आरोहन्ति = चढ़ते हैं।

विशेष नोट

- बसों से वाहनवाहक के विभिन्न रूप साक्षात्कारों का सन्दर्भ करें।
- पिछले सत्रों के अनुभवों को सुनें।



१. विद्या किं किं ददाति-

क. ख. ग.
घ. ङ. च.

२. कवित्व की पंक्तियों को खाली जगह में लिखिए-

विद्या ददाति वृत्तिम् (१).....।

विद्या ददाति सौख्यम् (२).....।

मुदितं करोति चित्तम् (३).....।

विद्या ददाति शक्तिम् (४).....।

३. शब्दों को उनके उलट अर्थ वाले (विलोम) शब्दों के साथ युग्मित कीजिए-

ज्ञानम्	अपमानम्
सुखम्	अज्ञानम्
मानम्	दुःखम्

मानम् = सम्मान ददाति = देती है वित्तम् = धन मुदितम् = प्रसन्न
चित्तम् = मन वृत्तिम् = रोजगार या आजीविका सौख्यम् = सुख।

नित्य ध्यान

- विद्या के पदान्त को बताने वाली कविता और कदाचित् शब्दों को सुनाई।
- विद्या का आत्मिक विकास के साथ-साथ जीवन में है, तब बल को बढ़ाई।





अयं विद्यालयः । विद्यालये वृक्षाः सन्ति ।

अध्यापकः छात्राः तं पादपान् रोपयन्ति ।



छात्रा पादपं सिञ्चति ।



छात्रा श्यामपट्टे लिखति ।



परिवारकः घासं निवारयति ।

छात्रः अपशिष्ट-वस्तूनि उचित-स्थाने निपति ।



विद्यालये सौरऊर्जा विद्युत् अस्ति ।





१. वाक्यों को पढ़िए-

सौरजर्जा रक्व्वा ऊर्जा अस्ति । सलीगः शौचालयस्य नित्यम् उपयोगं करोति ।
रमा व्यायामं करोति । मोहनः श्यामधट्टे लिखति ।

२. उपयुक्त शब्दों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- क. विद्यालये सन्ति । (वृक्षाः / अर्जाः)
ख. छात्राः सिञ्चन्ति । (क्षेत्रं / पादपं)
ग. परिचारकः निवारयति । (घासं / पादपं)
घ. विद्यालये ऊर्जा अस्ति । (सौर / विद्युत्)

३. सुसंज्ञित कीजिए-

- क. पृष्ठाः साफ-सुथरा
ख. स्वच्छः लिखता है
ग. लिखति कूड़ा
घ. अपशिष्टम् बहुत से पेड़

४. सही शब्द चुनकर चित्र के नाम लिखिए-



सन्ति=हैं पादपान=पृष्ठा की रोपयन्ति=लगाते हैं परिचारकः=व्यवसायी
निवारयति=हटाता है अपशिष्टम्=कूड़ा क्षिपन्ति=झालते हैं ।

अस्ते अपने घर/विद्यालय में पौधे लगाएँ एवं उनकी देखभाल करें ।

विवरण पढ़ें

- क. अपने को अपने घर/विद्यालय एवं वातावरण को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित करें ।





इदं राष्ट्रियं ध्वजम् अस्ति ।
ध्वजं त्रिवर्णम् अस्ति ।
ध्वजे चक्रम् अस्ति ।

इदं राज-चिह्नम् अस्ति ।
चिह्ने चत्वारः सिंहः सन्ति ।
चिह्ने एकं चक्रम् अस्ति ।



अयं व्याघ्रः अस्ति ।
व्याघ्रः राष्ट्रियः पशुः अस्ति ।
व्याघ्रः बलवान् अस्ति ।

अयं मयूरः अस्ति ।
मयूरः राष्ट्रियः पक्षी अस्ति ।
मयूरः सुन्दरः पक्षी अस्ति ।



इदं कमलम् अस्ति ।
कमलं राष्ट्रियं पुष्पम् अस्ति ।
कमलं सुन्दरं कोमलं च भवति ।



१. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए-

ध्वजं त्रिवर्णम् अस्ति । व्याघ्रः राष्ट्रियः पशुः अस्ति ।
मयूरः राष्ट्रियः पक्षी अस्ति । कमलं राष्ट्रियं पुष्पम् अस्ति ।

१. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

क. राष्ट्रियः पशुः अस्ति ।

(१) गजः (२) व्याघ्रः (३) मृगः (४) अश्वः

ख. राष्ट्रियः पक्षी अस्ति ।

(१) चटका (२) बकः (३) पिकः (४) मयूरः

ग. राष्ट्रियं पुष्पम् अस्ति ।

(१) पाटलम् (२) कमलम् (३) कुन्दपुष्पम् (४) मालिनी

- राजकीय पशु- बाघ/सिंहा
- राजकीय पक्षी- कौस्तुभ
- राजकीय पुष्प- लता
- राजकीय चिह्न- दो सज्जित
- एवं तीस कमल

२. छोटे से बड़े गोले की तरफ जाते हुए वाक्य बनाइए-



क. राष्ट्रियः पशुः व्याघ्रः ।

ख. ।

ग. ।

घ. ।

३. राष्ट्रध्वज का चित्र बनाकर रंग भरिए ।

४. सिक्कों/नोटों पर छपे हुए राष्ट्रीय प्रतीकों को देखकर उनके नाम लिखिए ।

प्रतीकानि = चिह्न, त्रिवर्णम् = तीन रंगों का चत्वारः = चार ।

शिक्षण सत्र

बच्चों से राष्ट्रीय- प्रतीकों की विशेषताओं के विषय में चर्चा करें ।





विद्यां सदा पठामि,
लेखं सदा लिखामि।
सर्वान् च प्राणिनोऽहं,
स्नेहेन पालयामि ॥



सत्यं वदामि नित्यं,
धर्मं चरामि नित्यं।
कुत्रापि नैव पीडां,
कस्याप्यहं करोमि ॥



जनकं नमामि नित्यं,
विद्यागुरुं सदैव।
अतिथिं नमामि गेहे,
जननीं च सर्वदैव ॥



नित्यं यत्नतः

कविता का सम्झन गान करे एवं अच्छे से कवाएँ।



सिंहः राजः

लपुः अपि सहायकः

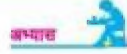
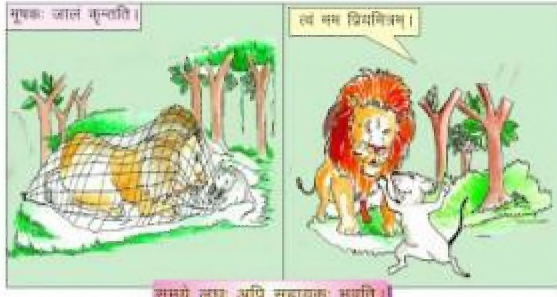


सिंहः मूषकं मुञ्चति ।

कालान्तरे सिंहः जाले बद्धः ।



संस्कृत-वीथी-३



१. पढ़ी गई कहानी को हाव-भाव के साथ सुनाइए।

१. 'शेते' का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए-

क. गजः शेते । ख. बालः ।
ग. अजा । घ. कुक्करोः ।

२. वाक्य बनाइए -

जैसे- सिंहः जाले बद्धः ।
क. मत्स्यः । ख. कर्पोतः ।
ग. मृगः । घ. काकः ।

३. प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के एक शब्द में लिखिए-

क. कः सिंहस्य शरीरम् आरोहति ? ख. सिंहः कथं गर्जति?
ग. जाले कः बद्धः ? घ. जालं कः कुन्तति ?

४. उपर्युक्त शब्दों को चुनकर कहानी को पूरा कीजिए-

मृहस्य काकः प्रस्तरखण्डान् पियति घटं

एकः  पिपासितः अस्ति । सः  उपरि

गच्छति । तत्र एकं  पश्यति । घटे किञ्चित् अल्पं जलम्

अस्ति । सः एकं उपायं करोति । घटे  क्षिपति ।

जलं उपरि आगच्छति । काकः जलं  संतोषेण च गच्छति ।

लघुः = छोटा शेते = सो रहा है कुर्वति = कुदता है मृश्व = छोड़ दीजिए
कालान्तरे = कुछ समय बाद बद्धः = बँध गया शृणोति = सुनता है
विलत् = बिल से कुन्तामि = कुतर देता हूँ/काट देता हूँ सिंहः = शेर।

निकल मूर्खता

- बच्चों में अन्य विषयाध्ययन कहानियाँ संकलित करके एवं सुनें।
- जन/जन्य जीवी के महत्त्व को बताते हुए उनके संरक्षण से संबंधित पोस्टर बनायें।